विषय सूची

पहला अध्याय

स्त्री विमर्श : एक विश्लेषण 1-46

स्त्री विमर्श -स्त्री विमर्श की पृष्ठभूमि- पहला चरण -दूसरा चरण- तीसरा चरण- महिला मानवाधिकार का प्रश्न- भारत में स्त्री -पुरुष-वर्चस्व- शोषण के विभिन्न आयाम- नारीवादी आंदोलन का सफर -उपेक्षितों की आवाज़ बनीं औरतें -स्त्री विमर्श की दशा एवं दिशा-निष्कर्ष

दूसरा अध्याय

हिन्दी नाटकों में स्त्री चेतना 47-88

स्त्री चेतना- भारतेंदु हरिश्चंद्र- जयशंकर प्रसाद - शारदा मिश्र - उपेंद्रनाथ अश्क - विष्णु प्रभाकर - विमला रैना - मोहन राकेश - मन्नू भण्डारी - लक्ष्मीनारायण लाल - शंकर शेष - मृदुला गर्ग - सुरेंद्र वर्मा - शांति मेहरोत्रा - भीष्म साहनी - प्रभाकर श्रोत्रिय - भारतभूषण अग्रवाल – मुद्राराक्षस - रमेश बक्षी - नाग बोडस - मृणाल पाण्डे - त्रिपुरारी शर्मा- निष्कर्ष

तीसरा अध्याय

नारी शोषण के विभिन्न आयाम- महिला नाट्य लेखन के सन्दर्भ में 89-138

नारी शोषण – समाज- परिवार में स्त्री - कोख में - बचपन में- प्रेम- शादी के लिए दबाव - धोखे से शादी- शादी का मतलब बोझ उतारना - शादी में स्त्री अस्मिता का सवाल - पुरुष वर्चस्व - सामाजिक न्याय और स्त्री - काबिलीयत पर शक - स्त्री की राय का तिरस्कार - स्त्री पर आरोप लगाना - यौन उपकरण - अवैध संतान की माँ - अन्या की स्थिति - महिला सदन – शिक्षा - स्त्री शिक्षा - उच्च शिक्षा और स्त्री - शिक्षित स्त्री का

तिरस्कार - नौकरी के क्षेत्र में स्त्री - कामकाजी नारी - श्रमिक स्त्री - पदोन्नति और स्त्री - आर्थिक हिंसा - यौनिक हिंसा - फिल्म जगत - युद्ध में - नारी केंद्र - संस्कृति और परंपरा - परिवार की संकल्पना में स्त्री-धर्म - स्त्री की रक्षा धर्म से ! - राजनीति और स्त्री - राजनीति में स्त्री की स्थिति - राजनेता का रवैया-बाधाएँ - राजनीतिक उपकरण – निष्कर्ष

चौथा अध्याय

स्वत्वबोध की पहचान और प्रतिरोध के विभिन्न आयाम - स्त्री नाट्य लेखन के संदर्भ में 139-201

स्त्री प्रतिरोध - सामाजिक प्रतिरोध - स्वावलंबी नारी - वर्ग बोध सम्पन्न स्त्री - स्वतंत्र अस्तित्व की चाह - स्वाभिमानी नारी - सजग होती नारी - सच्चाई को बुलंद करती स्त्री - ग्रामीण स्त्री स्वत्व - सामाजिक रीति रिवाज़ों के खिलाफ-- सहीगलत की सही पहचान- - सवाल करना - तर्क बुद्धि के साथ आगे बढ़ती स्त्री - विकृत यौन आकांक्षा का विरोध – वेश्यावृत्ति - भावनाओं के घेरे से मुक्त होती स्त्री - हिम्मतवाली औरतें - न्याय और पुलिस - व्यंग्य कसकर प्रतिरोध - सांस्कृतिक प्रतिरोध - परंपरा का उल्लंघन - बेटी – अंधे की लाठी ! - विवाह - दहेज की समस्या - तलाक की तकलीफ - धार्मिक प्रतिरोध - धर्म के खिलाफ - राजनीतिक प्रतिरोध - देश व राजनीति से प्रतिबद्ध स्त्री - आर्थिक प्रतिरोध - आर्थिक स्थिरता का सवाल - सक्रिय प्रतिरोध - आक्रमण प्रत्याक्रमण करती स्त्री - घर छोड़ना - आत्महत्या कर प्रतिरोध - अनचाहे विकास के खिलाफ – निष्कर्ष

पाँचवाँ अध्याय

स्त्री नाट्य लेखन की शैल्पिक संरचना 202-246

नाटक और शिल्प – कथासार - एकल अभिनय - फ्लैशबैक की शैली - नाटक के भीतर नाटक की शैली - स्वगत शैली - प्रतीकात्मक मंच सामग्री - फैंटसी का प्रयोग - संवाद- प्रतीकात्मक संवाद - प्रेरणास्पद संवाद - भाषा- प्रश्नात्म शैली - संवेदनात्मक भाषा - तेज़ और तीखी भाषा - संदेशात्मक भाषाई प्रयोग - स्त्रीत्व की अभिव्यक्ति - नाटकों का अंत - शीर्षक - निष्कर्ष

उपसंहार 247-254

परिशिष्ट 255-257

संदर्भ ग्रंथ सूची 258-277